Date
18/04/2020

विषय – समकालीन भारत और शिक्षा
प्रकरण – विश्वविद्यालय स्वायत्तता
University Autonomy
(UNIT – 6 th)

BEd Ist Year
Period – Ist

विश्वविद्यालय स्वायत्तता

विश्वविद्यालय स्वायत्तता मुख्यत: दो शब्दो से मिलकर बना है, जिनका शाब्दिक अर्थ – (1) विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय को अंग्रेजी मे 'यूनीवर्सिटी' कहते है। यह लैटिन भाषा के शब्द 'यूनीवर्सिटाज' से लिया गया है। जिसका अर्थ है संस्था, समुदाय, अथवा निगम। कोठारी आयोग के शब्दो मे – "विश्वविद्यालय वह स्थान है जहाँ पर सब अपने-अपने योगदान द्वारा सत्य की खोज करते हैं और अपनी शैक्षिक उन्नति द्वारा व्यक्तित्व का विकास करते है।"

एक अच्छे विश्वविद्यालय की आत्मा उसका पुस्तकालय है और मस्तिष्क शोध कार्य। एक साहित्यिक वातावरण स्थापित करना उसके अध्यापको का आवश्यक कार्य है।

विश्वविद्यालय के कार्य

स्वतन्त्र भारत मे वि०वि० के पाँच प्रमुख कार्यों की ओर संकेत किया गया है –

(i) सावासिक (Residential) शिक्षा देना (ii) सम्बद्ध कॉलिजो को मान्यता देना (iii) परीक्षा लेना व डिग्री वितरण करना (iv) अनुसंधान व शोध कार्य (v) प्रसारण कार्य

18-04-2020 10:51

(२) स्वायत्तता का शाब्दिक अर्थ

स्वायत्तता का शाब्दिक अर्थ होता है स्वशासन का अधिकार या स्वतन्त्रता। अतः संघ के नियमों का कुछ विशेष क्षेत्रों में निर्माण की स्वतन्त्रता ही स्वायत्तता का मूल आधार है।

विश्वविद्यालय स्वायत्तता का अर्थ

उपरोक्त शाब्दिक अर्थ को स्पष्ट करने पर ज्ञात होता है कि "विश्वविद्यालय स्वायत्तता का अर्थ विश्वविद्यालयों को उन सभी कार्यों के करने की पूर्ण स्वतन्त्रता दी जाये, जिनके लिए उनकी स्थापना की जाती है।

मुदालियर के शब्दों में "विश्वविद्यालय स्वायत्तता का अर्थ है- "विश्वविद्यालयों को कार्य करने की स्वतन्त्रता।" जिसके अनुसार वे अपने आन्तरिक प्रशासन एवं शैक्षिक निर्णय लेने में पूर्ण स्वतन्त्र हो, उन्हें अपने पाठ्यक्रम बनाने का अधिकार हो, उनको छात्रों को प्रवेश देने सम्बन्धी नियमों का निर्माण करने, उनकी परीक्षा लेने, उनका मूल्यांकन करने, और उनको उपाधि प्रदान करने का अधिकार हो, उनको शोध के क्षेत्र से सम्बन्धित विषयों पर निर्णय लेने तथा अपने कार्यक्षेत्र के महाविद्यालयों को सम्बद्धता प्रदान करने एवं उनका पर्यवेक्षण, निरीक्षण व मानीटरिंग करने का अधिकार हो।

18-04-2020 10:52

18-04-2020 10:53

विश्वविद्यालय स्वायत्तता और अकादमिक स्वतन्त्रता में अन्तर

विश्वविद्यालय एवं अकादमिक स्वायत्तता दोनों ही अलग-अलग तथ्य हैं। परन्तु शिक्षा क्षेत्र में भ्रमात्मक स्थिति पैदा कर देते हैं। अतः इन्हें स्पष्ट करना अनिवार्य है। वि० वि० स्वायत्तता का अर्थ वि०वि० को कार्य करने की स्वतन्त्रता से है जबकि अकादमिक स्वायत्तता या अध्यापकों की स्वतन्त्रता का अर्थ है उनको अपने विचारों के अनुरूप शिक्षण करने, अपने-अपने क्षेत्र में स्वतन्त्र चिन्तन करने और अपने विचारों को अभिव्यक्त करने से है। इसके अनुसार अध्यापकों को कक्षा में अथवा कक्षा से बाहर अपने विचारों को व्यक्त करने, अध्ययन, शोध करने, राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय मंचों पर विचार-विमर्श की स्वतन्त्रता।

विश्वविद्यालय स्वायत्तता की आवश्यकता एवं महत्व

① कोठारी आयोग के अनुसार - "यह स्वीकार किया जाना आवश्यक है कि स्वायत्तता के अभाव वि० वि० अपने शिक्षण, अनुसंधान एवं समाज सेवा के मुख्य कार्यों को कुशलतापूर्वक नहीं कर सकते हैं।"

② वी० के० आर० वी० राव के अनुसार - "सकारात्मक स्वायत्तता वि०वि० ढाँचे का मूल तत्व - मांस, रक्त, अस्थि - है। यह एक वि०वि०, जो एक सामाजिक संस्थान है और जिसके उद्देश्य समाज द्वारा निर्धारित किये गये हैं, की प्रभावशील कार्य प्रणाली के लिए एक पूर्व शर्त है।"

Continue....

Sudhi Tyagi
18/04/2020